भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

07.08.2025 – अखिल भारतीय

प्रैस विज्ञप्ति 7 अगस्त, 2025

एनएसई कोड:- एलआईसीआई बीएसई कोड:- 543526

<u>वित्त वर्ष 2025-2026 के अप्रैल-जून (प्रथम तिमाही) के लिए प्रदर्शन अपडेट</u>

- **कर-पश्चात लाभ 5.02% बढ़कर 10,986 करोड़ रुपये हो गया।**
- **व्यक्तिगत व्यवसाय में असहभागी (नॉन पार) एपीई का हिस्सा वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 30.34% रहा, जबकि वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही में यह 23.94% था।**
- **व्यक्तिगत व्यवसाय असहभागी (नॉन पार) एपीई 32.63% बढ़कर 2,142 करोड़ रुपये हो गया।**
- **समूह व्यवसाय एपीई 16.14% बढ़कर 5,590 करोड़ रुपये हो गया।**
- **समग्र एपीई 9.45% बढ़कर 12,652 करोड़ रुपये हो गया।**
- **नव व्यवसाय का मूल्य (वीएनबी) 20.75% बढ़कर 1,944 करोड़ रुपये हो गया।**
- **वीएनबी मार्जिन (नेट) 150 बीपीएस की वृद्धि के साथ 15.4% हो गया।**
- **सॉल्वेंसी अनुपात 1.99 से बढ़कर 2.17 हो गया।**
- **समग्र व्यय अनुपात 140 बीपीएस की कमी के साथ 11.87% से 10.47% हो गया।**
- **एयूएम 6.47% बढ़कर 57.05 लाख करोड़ रुपये हो गया।**
- **कुल व्यक्तिगत व्यावसायिक प्रीमियम 6.37% बढ़कर 71,474 करोड़ रुपये हो गया।**
- **कुल प्रीमियम आय 4.77% बढ़कर 1,19,200 करोड़ रुपये हो गई।**

मुंबई, 7 अगस्त, 2025: भारतीय जीवन बीमा निगम ("एलआईसी") के निदेशक मंडल ने 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए एकल और समेकित वित्तीय परिणामों को स्वीकृति प्रदान की एवं उन्हें अनुमोदित किया। नीचे हमारे एकल परिणामों के मुख्य अंश दिए गए हैं।

30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए कर-पश्चात लाभ (पीएटी) 10,986 करोड़ रुपये था, जबकि 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए यह 10,461 करोड़ रुपये था, जो 5.02% की वृद्धि दर्शाता है।

प्रथम वर्ष की प्रीमियम आय (एफवाईपीआई) (आईआरडीएआई के अनुसार) द्वारा मापी गई बाजार हिस्सेदारी के संदर्भ में, एलआईसी 63.51% की समग्र बाजार हिस्सेदारी के साथ भारतीय जीवन बीमा व्यवसाय में बाजार में अग्रणी बनी हुई है। 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए, एलआईसी की व्यक्तिगत व्यवसाय में 38.76% और समूह व्यवसाय में 76.54% बाजार हिस्सेदारी थी।

30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए कुल प्रीमियम आय 1,19,200 करोड़ रुपये थी, जबकि 30 जून 2024 को समाप्त तिमाही के लिए यह 1,13,770 करोड़ रुपये थी, जो 4.77% की वृद्धि दर्शाती है। 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए कुल व्यक्तिगत व्यवसाय प्रीमियम पिछले वर्ष की इसी अवधि के 67,192 करोड़ रुपये से बढ़कर 71,474 करोड़ रुपये हो गया, जो 6.37% की वृद्धि दर्शाता है। 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए समूह व्यवसाय की कुल प्रीमियम आय 47,726 करोड़ रुपये थी, जबकि 30 जून 2024 को समाप्त तिमाही के लिए यह 46,578 करोड़ रुपये थी, जो 2.46% की वृद्धि दर्शाती है।

30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही के दौरान व्यक्तिगत रूप से कुल 30,39,709 पॉलिसियाँ बेची गईं, जबकि 30 जून 2024 को समाप्त तिमाही के दौरान 35,65,519 पॉलिसियाँ बेची गईं, यानी 14.75% की कमी दर्ज की गई।

वार्षिक प्रीमियम समतुल्य (एपीई) आधार पर, 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए कुल प्रीमियम 12,652 करोड़ रुपये था। इसमें से 55.81% (7,061 करोड़ रुपये) व्यक्तिगत व्यवसाय द्वारा और 44.18% (5,590 करोड़ रुपये) समूह व्यवसाय द्वारा हुआ। व्यक्तिगत व्यवसाय के अंतर्गत, एपीई आधार पर सहभागी (पार) उत्पादों का हिस्सा 69.66% (4,919 करोड़ रुपये) था तथा शेष 30.34% (2,142 करोड़ रुपये) असहभागी (नॉन पार) उत्पादों का था। असहभागी (एपीई) 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के 1,615 करोड़ रुपये से बढ़कर 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए 2,142 करोड़ रुपये हो गया है, जो 32.63% की वृद्धि दर्शाता है। इसलिए, एपीई आधार पर, व्यक्तिगत व्यवसाय का हमारा असहभागी (नॉन पार) हिस्सा, जो 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए 23.94% था, 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए बढ़कर 30.34% हो गया है।

30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए नए व्यवसाय का मूल्य (वीएनबी) 1,944 करोड़ रुपये था, जबकि 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए यह 1,610 करोड़ रुपये था, जिसमें 20.75% की वृद्धि दर्ज की गई। 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए शुद्ध वीएनबी मार्जिन 150 बीपीएस की वृद्धि के साथ 15.4% हो गया, जबकि 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए यह 13.9% था।

30 जून, 2025 को सॉल्वेंसी अनुपात 30 जून, 2024 को 1.99 के मुकाबले बढ़कर 2.17 हो गया।

30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए, 13वें महीने और 61 वें महीने के लिए प्रीमियम आधार पर स्थायित्व अनुपात क्रमशः 75.63% और 63.85% हैं। 30 जून, 2024 को समाप्त इसी तिमाही के लिए तुलनीय स्थायित्व अनुपात क्रमशः 78.23% और 61.62% थे।

30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए, 13वें महीने और 61वें महीने के लिए पॉलिसियों की संख्या के आधार पर स्थायित्व अनुपात क्रमशः 64.35% और 51.12% थे। 30 जून, 2024 को समाप्त इसी अवधि के लिए तुलनात्मक स्थायित्व अनुपात क्रमशः 67.81% और 49.39% थे।

प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियाँ (एयूएम) 30 जून, 2025 तक बढ़कर 57,05,341 करोड़ रुपये हो गई, जबकि 30 जून, 2024 को यह 53,58,781 करोड़ रुपये थीं, जो वर्ष-दर-वर्ष 6.47% की वृद्धि दर्शाता है।

30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए कुल व्यय अनुपात 10.47% था, जबकि 30 जून 2024 को समाप्त तिमाही के लिए यह 11.87% था, यानी 140 आधार अंकों की कमी दर्ज की गई।

अप्राप्त लाभ को छोड़कर पॉलिसीधारकों के फंड पर निवेश पर प्रतिफल 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए 8.45% था, जबकि 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए यह 8.54% था।

एलआईसी के सीईओ एवं एमडी, श्री आर. दुरैस्वामि ने कहा:-

"इस वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के दौरान, प्रथम वर्ष प्रीमियम आय के आधार पर हमारी कुल बाजार हिस्सेदारी 63.51% रही और हमने व्यक्तिगत और समूह व्यवसाय, दोनों में अग्रणी स्थिति बनाए रखी। व्यक्तिगत व्यवसाय में नॉन-पार हिस्सेदारी में वृद्धि, वीएनबी मार्जिन में वृद्धि और बैंका हिस्सेदारी में वृद्धि जैसी हमारी रणनीति के प्रमुख तत्व पूरी तरह से सही दिशा में हैं। व्यक्तिगत खंड में नॉन-पार उत्पादों की हिस्सेदारी, एपीई आधार पर, वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में बढ़कर 30.34% हो गई, जबकि पिछले वर्ष इसी तिमाही में यह 23.94% थी। वीएनबी मार्जिन साल-दर-साल आधार पर 150 आधार अंकों से

बढ़कर 15.4% हो गया है, जबकि इस तिमाही में हमारा व्यय अनुपात 140 आधार अंकों से घटकर 10.47% हो गया है। बैंकाश्योरेंस और वैकल्पिक चैनलों की बढ़ी हुई हिस्सेदारी के साथ हमारी चैनल मिक्स विविधीकरण रणनीति स्पष्ट दिखाई देती है। 30 जून 2025 तक, 1.99 लाख से अधिक महिलाओं को बीमा सखी के रूप में नियुक्त किया जा चुका है। जिन्होंने वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में 3.26 लाख से ज़्यादा पॉलिसी बेची हैं। हम देश में जीवन बीमा की पहुँच को और बढ़ाने के लिए नियामक प्राधिकरणों और विभिन्न राज्य एवं जिला स्तरीय बीमा समितियों के साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं। हम ग्राहकों की ज़रूरतों को पूरा करने और अपने ग्राहकों तक पहुँच को और बेहतर बनाने के लिए नए उत्पाद लॉन्च करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

प्रमुख परिचालन एवं वित्तीय मीट्रिक्स:

क्र. स.	विवरण	**30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही (रुपये करोड़ में)**	**30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही (रुपये करोड़ में)**	वर्ष दर वर्ष वृद्धि
1	कर के बाद लाभ (पीएटी)	10,461	10,986	5.02%
2	नव व्यवसाय प्रीमियम आय (व्यक्तिगत)	11,892	12,536	5.42%
3	नवीनीकरण प्रीमियम (व्यक्तिगत)	55,300	58,938	6.58%
4	कुल प्रीमियम (व्यक्तिगत)	67,192	71,474	6.37%
5	कुल समूह व्यवसाय प्रीमियम	46,578	47,726	2.46%
6	कुल प्रीमियम आय	1,13,770	1,19,200	4.77%
7	बेची गई पॉलिसियों की संख्या (व्यक्तिगत)	35,65,519	30,39,709	(14.75%)
8	नए व्यवसाय का मूल्य (नेट)	1,610	1,944	20.75%
9	प्रबंधन के तहत संपत्ति	53,58,781	57,05,341	6.47%
10	वीएनबी मार्जिन (नेट)	13.9%	15.4%	150 बीपीएस की वृद्धि
11	समग्र व्यय अनुपात	11.87%	10.47%	140 बीपीएस की कमी
12	सॉल्वेंसी अनुपात	1.99	2.17	
13	13 माह /61 माह स्थाईत्व(प्रीमियम आधार पर)	78.23% / 61.62%	75.63% / 63.85%	

14	13 माह /61 माह स्थाईत्व (पॉलिसियों की संख्या के आधार पर)	67.81% / 49.39%	64.35% / 51.12%	
15	व्यक्तिगत व्यवसाय एपीई	6,747	7,061	4.65%
16	समूह व्यवसाय एपीई	4,813	5,590	16.14%
17	कुल एपीई (व्यक्तिगत + समूह)	11,560	12,652	9.45%
18	व्यक्तिगत एपीई उत्पाद मिश्रण (%) (पार/नॉन पार लिंक्ड सहित)	76.06% / 23.94%	69.66% / 30.34%	

* पूर्णांकन के कारण आंकड़े कुल योग में शामिल नहीं हो सकते हैं।

नोट: वित्तीय स्थिति की विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया 30 जून 2025 को समाप्त तिमाही के स्टैंडअलोन वित्तीय परिणाम और स्टॉक एक्सचेंजों तथा निगम की वेबसाइटों पर अपलोड किए गए संबंधित नोट्स देखें

मुंबई में दिनांक 7 अगस्त, 2025

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें: कार्यकारी निदेशक (सीसी)

भारतीय जीवन बीमा निगम, केंद्रीय कार्यालय, मुंबई।

ईमेल आईडी: ed_cc@licindia.com

www.licindia.in पर हमसे संपर्क करें

हमारा मानना है कि इस विज्ञप्ति में शामिल समाचार आपके पाठकों के लिए मूल्यवान हैं। हालाँकि हम आपको इसे जल्द से जल्द प्रकाशित करने के लिए धन्यवाद देना चाहेंगे, लेकिन हम यह भी स्वीकार करते हैं कि ऐसा करने का निर्णय पूरी तरह से आपके हाथ में है।